National Journal of Multidisciplinary Research and Development
www.newresearchjournal.com
ISSN: 2455-9040
Received: 08-08-2025, Accepted: 07-09-2025, Published: 22-09-2025
Volume 10, Issue 3, 2025, Page No. 91-95

परिणाम आधारित शिक्षा का लेखांकन शिक्षा पर प्रभाव का अध्ययन: म.प्र. के भोपाल जिले के विशेष संदर्भ में

डॉ. माया बकोरिया
सहायक प्राध्यापक (वाणिज्य), प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस, शासकीय हमीदिया महाविद्यालय भोपाल, मध्य प्रदेश, भारत
DOI: https://doi.org/10.66856/njmrd.2025.10.3.11064

सारांश
परिणाम आधारित शिक्षा, पारंपरिक शिक्षण प्रणाली से भिन्न व्यावसायिक दक्षता एवं छात्रों पर केन्द्रित एक आधुनिक शिक्षा पद्धति है, जो न केवल शिक्षकों के पढ़ाने एवं पाठ्यक्रम को पूरा करने तक सीमित है, बल्कि छात्र–छात्राओं को नैतिक निर्णय लेने, तार्किक सोच को विकसित करने एवं समस्याओं का समाधान करने का हुनर भी सिखाती है।
यह अध्ययन जुलाई 2022 से जून 2025 तक मध्यप्रदेश के भोपाल जिले से परिणाम आधारित शिक्षा प्राप्त करने वाले 10 महाविद्यालयों के 300 विद्यार्थियों पर किया गया है। प्रस्तुत शोध की पद्धति मात्रात्मक है, जिसमें डेटा संग्रहण प्रश्नावली विधि के माध्यम से किया गया है। प्राप्त डेटा के सांख्यिकीय विश्लेषण हेतु वर्णनात्मक आँकड़ों, काई–स्क्वायर परीक्षण एवं पियर्सन सहसंबंध का प्रयोग किया गया है। सांख्यिकीय डेटा के विश्लेषण से यह निष्कर्ष निकलता है कि परिणाम आधारित शिक्षा पद्धति छात्रों को आवश्यक व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करती है तथा उन्हें अधिक उद्योगोन्मुख, दक्ष एवं व्यावहारिक बनाती है।

मूल शब्दः परिणाम आधारित शिक्षा, लेखांकन शिक्षा, मध्यप्रदेश, भोपाल

प्रस्तावना
वर्तमान में वैश्वीकरण, उद्योगों की बदलती आवश्यकताओं एवं तकनीकी उन्नतियों के कारण विद्यार्थियों के लिए केवल सैद्धांतिक ज्ञान प्राप्त करना पर्याप्त नहीं है, अपितु परिणाम आधारित शिक्षा प्रदान करना अत्यंत महत्वपूर्ण हो गया है। लेखांकन एक व्यावहारिक विषय है, जिसमें सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक शिक्षा दोनों का संतुलन होता है। इसलिए छात्रों में उद्योगोन्मुख दक्षता, प्रयोगात्मक कौशल एवं समस्या समाधान क्षमता का विकास करने के लिए परिणाम आधारित शिक्षा अत्यंत आवश्यक है।
प्रस्तुत शोध में यह ज्ञात करने का प्रयास किया गया है कि मध्यप्रदेश के भोपाल जिले के विभिन्न महाविद्यालयों में परिणाम आधारित शिक्षा को किस हद तक अपनाया जा रहा है तथा यह शिक्षा छात्रों की शैक्षणिक समझ, संतुष्टि एवं व्यावसायिक तैयारी को कैसे प्रभावित कर रही है। साथ ही यह भी अध्ययन किया गया है कि परिणाम आधारित शिक्षा, पारंपरिक शिक्षा की तुलना में कितनी अधिक प्रभावी है।

शोध साहित्य की समीक्षा (Review of literature)
किसी भी शोध की गुणवत्ता और प्रासंगिकता उसके पूर्व में उपलब्ध साहित्य के विश्लेषण पर निर्भर करती है। साहित्य की समीक्षा शोधकर्ता को विषय से संबंधित सिद्धांतों, अवधारणाओं, शोध निष्कर्षों तथा अनुसंधान अंतर (Research Gap) को समझने में सहायता प्रदान करती है। प्रस्तुत शोध "परिणाम आधारित शिक्षा का लेखांकन शिक्षा पर प्रभाव का अध्ययन" में अभी तक किए गए प्रमुख शोध कार्य इस प्रकार हैं—

1. Salis एवं Harder (2019) – "Outcome Based Learning and Modified Problem Based Learning for Accountancy Education" इस शोध में परिणाम आधारित शिक्षा तथा समस्या आधारित शिक्षण पद्धति का लेखांकन शिक्षा में परीक्षण किया गया। अध्ययन के परिणामस्वरूप यह पाया गया कि परिणाम आधारित शिक्षा अपनाने से लेखांकन के विद्यार्थियों में ऐसी महत्वपूर्ण योग्यताओं का विकास होता है, जो उद्योगों तथा ACCA एवं CIMA जैसे नियामक संस्थानों की आवश्यकताओं को पूरा करती हैं।
2. Kumbhar (2020) – "Impact of Outcome Based Education in Indian Universities" इस शोध में शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर को विशेष संदर्भ में लेते हुए भारतीय विश्वविद्यालयों में परिणाम आधारित शिक्षा के क्रियान्वयन एवं उसकी वर्तमान स्थिति का सर्वेक्षण किया गया। अध्ययन से यह ज्ञात हुआ कि भारतीय उच्च शिक्षा संस्थानों में परिणाम आधारित शिक्षा को अपनाने की प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी है, किंतु इसका व्यापक एवं प्रभावी क्रियान्वयन अभी भी शेष है।
3. Gurudutta P. Jappe एवं Preeti Oza (2021) – "Curriculum and Evaluation in Outcome Based Education" यह शोध मुंबई तथा गुजरात विश्वविद्यालयों के अंतर्गत आने वाले वाणिज्य महाविद्यालयों से प्राप्त आंकड़ों पर आधारित था, जिसमें परिणाम आधारित शिक्षा में पाठ्यक्रम संरचना एवं मूल्यांकन पद्धति को इस प्रकार व्यवस्थित करने पर बल दिया गया कि वह छात्र–केंद्रित होकर विद्यार्थियों की सीखने की क्षमता में अधिक सुधार कर सके।
4. Binoy K, Choudhary एवं Piyali Sengupta (2022) – "Introduction of Outcome Based Education in Indian Management System of Sustainable Education" यह शोध कार्यक्रम परिणाम, पाठ्यक्रम परिणाम तथा योजना क्रियान्वयन, जाँच एवं सुधार चक्र को शिक्षा प्रणाली में लागू करने तथा प्रभावी मूल्यांकन संरचना विकसित करने की प्रक्रिया का वर्णन करता है। यद्यपि यह शोध प्रबंधन शिक्षा पर केंद्रित था, फिर भी यह वाणिज्य एवं अन्य व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के लिए एक उपयोगी मॉडल प्रस्तुत करता है।
5. Gopal Chandra Saha, Sm Akber एवं Ashutosh Roy (2023) – "Impact of Outcome Based Education on Learner Performance in Business Course" यह अध्ययन व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में परिणाम आधारित शिक्षा प्राप्त करने वाले छात्रों के प्रदर्शन पर पड़ने वाले प्रभावों का अध्ययन करता है। शोध के निष्कर्षों से ज्ञात हुआ कि परिणाम आधारित शिक्षा अपनाने से विद्यार्थियों के संप्रेषण कौशल, व्यवहार क्षमता, समस्या समाधान क्षमता तथा सीखने की रुचि में उल्लेखनीय सुधार हुआ।

प्रस्तुत शोध में उपलब्ध साहित्य की समीक्षा से यह स्पष्ट होता है कि परिणाम आधारित शिक्षा पर अधिकांश अध्ययन राष्ट्रीय एवं राज्य स्तर पर किए गए हैं, परंतु मध्यप्रदेश के भोपाल जिले के महाविद्यालयों के संदर्भ में अभी तक कोई विशिष्ट शोध कार्य

उपलब्ध नहीं है। इसी प्रकार, लेखांकन शिक्षा पर परिणाम आधारित शिक्षा के प्रभाव का व्यवस्थित अध्ययन भी अभी तक नहीं किया गया है। उपलब्ध शोध साहित्य में अधिकांश अध्ययन परिणाम आधारित शिक्षा के सिद्धांतों, क्रियान्वयन तथा व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में उसके उपयोग पर केंद्रित रहे हैं, जबकि लेखांकन शिक्षा जैसे विशिष्ट विषय पर इसके प्रभाव का पर्याप्त अध्ययन नहीं किया गया है। इसके अतिरिक्त, परिणाम आधारित शिक्षा एवं पारंपरिक शिक्षा के अंतर्गत अध्ययनरत विद्यार्थियों के शैक्षणिक प्रदर्शन का तुलनात्मक अध्ययन भी अब तक नहीं किया गया है। उपर्युक्त सभी अनुसंधान अंतर एवं सीमाओं को ध्यान में रखते हुए प्रस्तुत शोध में "परिणाम आधारित शिक्षा का लेखांकन शिक्षा पर प्रभाव का अध्ययन" किया गया है।

शोध के उद्देश्य (Objectives of the research)

प्रस्तुत शोध के उद्देश्य निम्नलिखित हैं

1. परिणाम आधारित शिक्षा से विद्यार्थियों की विषय की समझ में सुधार का अध्ययन करना।
2. परिणाम आधारित शिक्षा से विद्यार्थियों के कौशल विकास एवं उनकी संतुष्टि के बीच संबंधों का अध्ययन करना।
3. यह अध्ययन करना कि परिणाम आधारित शिक्षा एवं पारंपरिक शिक्षा में से कौन–सी शिक्षा अधिक प्रभावी है।

शोध की पद्धति (Research meyhodology)

1. **शोध का प्रकार**: प्राथमिक आँकड़ों पर आधारित मात्रात्मक शोध।
2. **नमूना आकार:** यह अध्ययन भोपाल जिले के विभिन्न महाविद्यालयों में अध्ययनरत स्नातक स्तर के 100 विद्यार्थियों से प्राप्त आँकड़ों पर आधारित है।
3. **डेटा संग्रहण विधि:** गूगल फॉर्म एवं व्यक्तिगत साक्षात्कार के माध्यम से डेटा का संग्रहण किया गया।
4. **सांख्यिकीय उपकरणों का प्रयोग:** वर्णनात्मक आँकड़े (Descriptive Statistics), काई–वर्ग परीक्षण (Chi–Square Test) एवं पियर्सन सहसंबंध (Pearson Correlation) का प्रयोग किया गया।

शोध की परिकल्पनाएँ (Research hypothesis)

प्रस्तुत शोध की परिकल्पनाएँ निम्नलिखित हैं

1. प्रथम परिकल्पना

H_0 (शून्य परिकल्पना): परिणाम आधारित शिक्षा अपनाने और विषयवस्तु की समझ में सुधार के बीच कोई सांख्यिकीय संबंध नहीं है।

H_1 (वैकल्पिक परिकल्पना): परिणाम आधारित शिक्षा अपनाने और विषयवस्तु की समझ में सुधार के बीच सांख्यिकीय संबंध है।

2. द्वितीय परिकल्पना

H_0 (शून्य परिकल्पना): परिणाम आधारित शिक्षा अपनाने वाले छात्रों के कौशल विकास एवं संतुष्टि के बीच कोई सांख्यिकीय संबंध नहीं है।

H_1 (वैकल्पिक परिकल्पना): परिणाम आधारित शिक्षा अपनाने वाले छात्रों के कौशल विकास एवं संतुष्टि के बीच सांख्यिकीय संबंध है।

शोध की सीमाएँ (Research limitstions)

प्रस्तुत शोध की सीमाएँ निम्नलिखित हैं

1. यह अध्ययन केवल मध्यप्रदेश के भोपाल जिले के महाविद्यालयों के विद्यार्थियों तक सीमित रखा गया है।
2. इस अध्ययन में परिणाम आधारित शिक्षा का मूल्यांकन केवल विद्यार्थियों के दृष्टिकोण से किया गया है। इसमें शिक्षकों एवं उद्योग विशेषज्ञों को शामिल नहीं किया गया है।
3. इस अध्ययन में मध्यप्रदेश के भोपाल जिले के महाविद्यालयों में जुलाई 2022 से जून 2025 तक शिक्षा प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को ही शामिल किया गया है।

समंकों विश्लेषण एवं व्याख्या (Data analysis and interpretation)

1. परिणाम आधारित शिक्षा अपनाने और विषयवस्तु की समझ में सुधार का सांख्यिकीय विश्लेषण

परिणाम आधारित शिक्षा अपनाने एवं विषयवस्तु की समझ में सुधार के बीच संबंध की जाँच करने के लिए काई–वर्ग परीक्षण (Chi–Square Test) का प्रयोग किया गया है। यह परीक्षण दो स्वतंत्र चरों के मध्य संबंध की जाँच करता है। इस विश्लेषण में निम्नलिखित दो चर लिए गए हैं—

- छात्रों द्वारा पसंद की गई शिक्षण पद्धति (परिणाम आधारित शिक्षण पद्धति बनाम पारंपरिक शिक्षण पद्धति)।
- परिणाम आधारित शिक्षण पद्धति से विषयवस्तु की समझ में सुधार (हाँ/नहीं)।

आकस्मिकता सारणी (Cross Tabulation)

शिक्षण पद्धति	विषयवस्तु की समझ में सुधार (हाँ)	विषयवस्तु की समझ में सुधार (नहीं)	कुल
परिणाम आधारित शिक्षा पसंद करते हैं	143	15	158
पारंपरिक शिक्षा पसंद करते हैं	35	7	42
कुल	148	22	200

परिणाम आधारित शिक्षा अपनाने और विषयवस्तु की समझ में सुधार का विश्लेषण

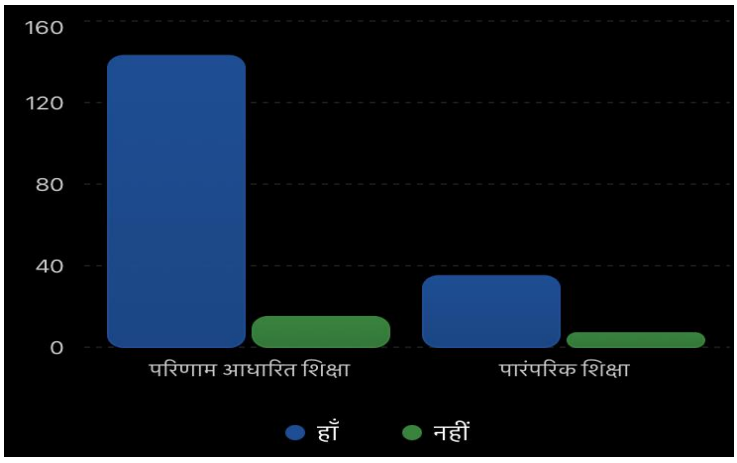

अध्ययन में शामिल कुल 200 विद्यार्थियों में से 158 (79%) विद्यार्थियों ने परिणाम आधारित शिक्षा तथा 42 (21%) विद्यार्थियों ने पारंपरिक शिक्षा को अपनाया। परिणाम आधारित शिक्षा अपनाने वाले 158 विद्यार्थियों में से 143 (90.5%) ने विषयवस्तु की समझ में सुधार होने की पुष्टि की, जबकि 15 (9.5%) विद्यार्थियों ने सुधार न होने की बात कही। वहीं, पारंपरिक शिक्षा अपनाने वाले 42 विद्यार्थियों में से 35 (83.3%) ने विषयवस्तु की समझ में सुधार का अनुभव किया, जबकि 7 (16.7%) विद्यार्थियों ने सुधार न होने की बात कही। काई–वर्ग परीक्षण का मान $\chi^2 = 1.757$ तथा $P = 0.183$ प्राप्त हुआ, जो दर्शाता है कि दोनों समूहों के बीच पाया गया अंतर सांख्यिकीय रूप से महत्वपूर्ण नहीं है।

2. परिणाम आधारित शिक्षा अपनाने वाले छात्रों के कौशल विकास और संतुष्टि का विश्लेषण

छात्रों के कौशल विकास एवं संतुष्टि के बीच सहसंबंध की दिशा तथा तीव्रता का मूल्यांकन करने के लिए पियर्सन सहसंबंध (Pearson Correlation) का प्रयोग किया गया है जिसके दो चर इस प्रकार है—

- परिणाम आधारित शिक्षा से कौशल विकास ।
- परिणाम आधारित शिक्षा से संतुष्टि ।

कौशल विकास तथा संतुष्टि का विश्लेषण

स्कोर	कौशल विकास (छात्रों की संख्या)	संतुष्टि (छात्रों की संख्या)	दोनों को एक जैसा स्कोर देने वाले छात्र
1	45	35	26
2	18	33	07
3	38	37	15
4	63	72	37
कुल	200	200	98

अध्ययन में कुल 200 विद्यार्थियों के कौशल विकास एवं संतुष्टि का मूल्यांकन 1 से 5 के स्कोर के आधार पर किया गया। परिणामों से ज्ञात हुआ कि कौशल विकास के लिए 45 विद्यार्थियों ने 1, 18 ने 2, 38 ने 3, 63 ने 4 तथा 36 विद्यार्थियों ने 5 अंक दिए। वहीं, संतुष्टि के लिए 35 विद्यार्थियों ने 1, 33 ने 2, 37 ने 3, 72 ने 4 तथा 23 विद्यार्थियों ने 5 अंक प्रदान किए। इसके अतिरिक्त, कुल 98 विद्यार्थियों ने कौशल विकास एवं संतुष्टि दोनों के लिए समान स्कोर दिए, जिससे यह संकेत मिलता है कि अधिकांश विद्यार्थियों ने दोनों पहलुओं को लगभग समान रूप से अनुभव किया।

परिणाम आधारित शिक्षा अपनाने वाले छात्रों के कौशल विकास और संतुष्टि का विश्लेषण

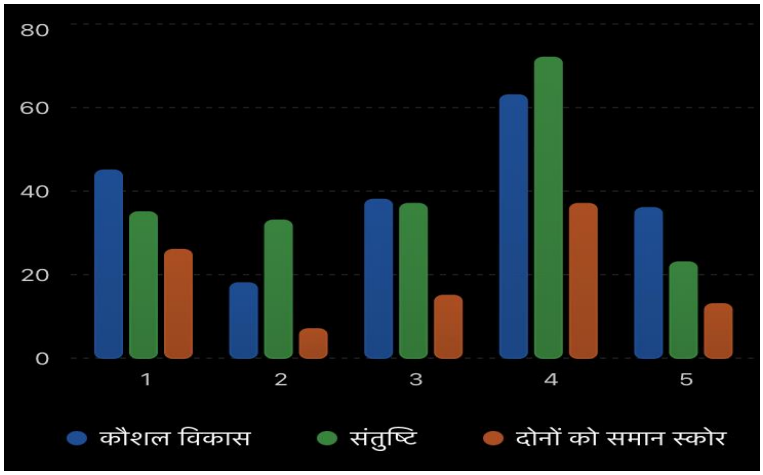

कौशल विकास और संतुष्टि के बीच पियर्सन सहसम्बन्ध

संकेतक	सहसम्बन्ध	सहसम्बन्ध महत्व स्तर (P–values)	सहसम्बन्ध का प्रकार
कौशल विकास बनाम संतुष्टि	1.000	0.000	पूर्ण सकारात्मक सहसम्बन्ध

पियर्सन सहसम्बन्ध परीक्षण में $r = 1.000$ तथा $P = 0.000$ ($P < 0.01$) प्राप्त हुआ, जिससे यह स्पष्ट हुआ कि कौशल विकास और संतुष्टि के बीच पूर्ण सकारात्मक तथा सांख्यिकीय रूप से महत्वपूर्ण सम्बन्ध विद्यमान है।

3. परिणाम आधारित शिक्षा और पारंपरिक शिक्षा की प्रभावशीलता का विश्लेषण

शिक्षा की गुणवत्ता एवं विद्यार्थियों के समग्र विकास में शिक्षण पद्धति की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। वर्तमान अध्ययन में यह जानने का प्रयास किया गया कि विद्यार्थियों की दृष्टि में परिणाम आधारित शिक्षा (Outcome–Based Education) तथा पारंपरिक शिक्षा में से कौन–सी प्रणाली अधिक प्रभावी है। इस उद्देश्य से उत्तरदाताओं से उनकी राय प्राप्त की गई, जिसका सांख्यिकीय विवरण निम्नलिखित तालिका में प्रस्तुत किया गया है–

विकल्प	छात्रों की संख्या	प्रतिशत (%)
परिणाम आधारित शिक्षा	158	79%
पारंपरिक शिक्षा	42	21%
कुल	200	100%

अध्ययन में शामिल कुल 200 विद्यार्थियों में से 158 (79%) विद्यार्थियों ने परिणाम आधारित शिक्षा को अधिक प्रभावी माना, जबकि 42 (21%)विद्यार्थियों ने पारंपरिक शिक्षा को अधिक प्रभावी बताया

परिणाम आधारित शिक्षा और पारंपरिक शिक्षा की प्रभावशीलता का विश्लेषण

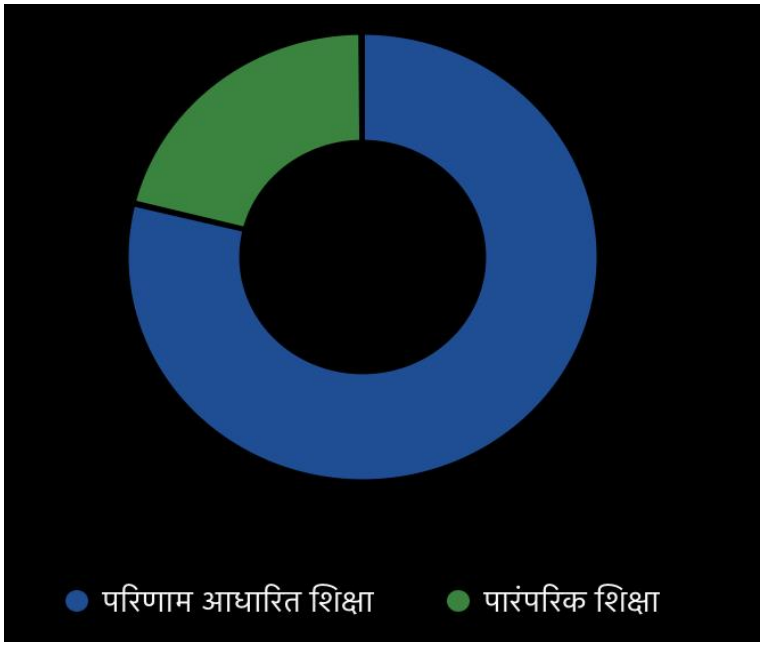

शोध के परिणाम (research findings)

1. काई–वर्ग (Chi–Square) परीक्षण के माध्यम से परिणाम आधारित शिक्षा अपनाने एवं विषयवस्तु की समझ में सुधार के बीच संबंध का परीक्षण किया गया। यद्यपि परिणाम आधारित शिक्षा अपनाने वाले विद्यार्थियों में विषयवस्तु की समझ में सुधार का प्रतिशत पारंपरिक शिक्षा अपनाने वाले विद्यार्थियों की तुलना में अधिक पाया गया, फिर भी काई–वर्ग परीक्षण ($\chi^2 = 1.757$, $P = 0.183$) के अनुसार यह अंतर सांख्यिकीय रूप से महत्वपूर्ण नहीं था। इससे संकेत मिलता है कि विषयवस्तु की समझ में सुधार केवल शिक्षण पद्धति पर निर्भर नहीं करता, बल्कि अन्य शैक्षणिक एवं व्यक्तिगत कारक भी इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।
2. परिणाम आधारित शिक्षा अपनाने वाले विद्यार्थियों के कौशल विकास एवं संतुष्टि के पियर्सन सहसम्बन्ध विश्लेषण से त = 1.000 तथा $P = 0.000$ ($P < 0.01$) प्राप्त हुआ, जो कौशल विकास और संतुष्टि के बीच पूर्ण सकारात्मक एवं सांख्यिकीय रूप से महत्वपूर्ण सहसम्बन्ध को दर्शाता है। इससे स्पष्ट होता है कि परिणाम आधारित शिक्षा के माध्यम से विद्यार्थियों का कौशल विकास बढ़ने के साथ उनकी संतुष्टि का स्तर भी बढ़ता है।
3. परिणाम आधारित शिक्षा तथा पारंपरिक शिक्षा के प्राप्त आँकड़ों से स्पष्ट होता है कि अधिकांश विद्यार्थियों ने परिणाम आधारित शिक्षा को पारंपरिक शिक्षा की तुलना में अधिक प्रभावी माना। कुल 200 विद्यार्थियों में से 79: विद्यार्थियों द्वारा परिणाम आधारित शिक्षा को प्राथमिकता दिए जाने से यह संकेत मिलता है कि यह शिक्षण पद्धति विद्यार्थियों की अपेक्षाओं, सीखने की आवश्यकताओं तथा शैक्षणिक अनुभवों के अनुरूप अधिक प्रभावी प्रतीत होती है। वहीं 21: विद्यार्थियों ने पारंपरिक शिक्षा को अधिक प्रभावी माना।
4. काई–वर्ग (Chi–Square) परीक्षण के परिणामों में $\chi^2 = 1.757$ तथा $P = 0.183$ (> 0.05) प्राप्त हुआ। चूँकि P–मान 0.05 से अधिक है, इसलिए परिणाम आधारित शिक्षा अपनाने एवं विषयवस्तु की समझ में सुधार के बीच सांख्यिकीय रूप से महत्वपूर्ण संबंध सिद्ध नहीं हुआ। अतः हमारी प्रथम परिकल्पना कि शून्य परिकल्पना (H_0) परिणाम आधारित शिक्षा अपनाने और विषयवस्तु की समझ में सुधार के बीच कोई सांख्यिकीय संबंध नहीं है स्वीकार की जाती है तथा वैकल्पिक परिकल्पना (H_1) परिणाम आधारित शिक्षा अपनाने और विषयवस्तु की समझ में सुधार के बीच सांख्यिकीय संबंध है अस्वीकार की जाती है।
5. पियर्सन सहसम्बन्ध विश्लेषण के परिणामों में $r = 1.000$ तथा $P = 0.000$ ($P < 0.01$) प्राप्त हुआ, जो परिणाम आधारित शिक्षा अपनाने वाले छात्रों के कौशल विकास एवं संतुष्टि के बीच सांख्यिकीय रूप से महत्वपूर्ण एवं पूर्ण सकारात्मक सहसम्बन्ध को दर्शाता है। अतः हमारी द्वितीया परिकल्पना कि शून्य परिकल्पना (H_0) परिणाम आधारित शिक्षा अपनाने वाले छात्रों के कौशल विकास एवं संतुष्टि के बीच कोई सांख्यिकीय संबंध नहीं है अस्वीकार की जाती है तथा वैकल्पिक परिकल्पना (H_1) परिणाम आधारित शिक्षा अपनाने वाले छात्रों के कौशल विकास एवं संतुष्टि के बीच सांख्यिकीय संबंध है स्वीकार की जाती है।

निष्कर्ष

1. प्रस्तुत अध्ययन परिणाम आधारित शिक्षा का लेखांकन शिक्षा पर प्रभाव का अध्ययन: म.प्र. के भोपाल जिले के विशेष संदर्भ में से यह निष्कर्ष प्राप्त हुआ कि अधिकांश विद्यार्थियों ने परिणाम आधारित शिक्षा को पारंपरिक शिक्षा की अपेक्षा अधिक प्रभावी माना। काई–वर्ग परीक्षण के अनुसार परिणाम आधारित शिक्षा अपनाने और विषयवस्तु की समझ में सुधार के बीच सांख्यिकीय रूप से महत्वपूर्ण संबंध नहीं पाया गया। वहीं, पियर्सन सहसम्बन्ध विश्लेषण से परिणाम आधारित शिक्षा अपनाने वाले विद्यार्थियों के कौशल विकास एवं संतुष्टि के बीच पूर्ण सकारात्मक एवं सांख्यिकीय रूप से महत्वपूर्ण संबंध प्राप्त हुआ। अतः अध्ययन से स्पष्ट होता है कि परिणाम आधारित शिक्षा विद्यार्थियों के कौशल विकास एवं संतुष्टि को बढ़ाने में प्रभावी है तथा समग्र रूप से पारंपरिक शिक्षा की तुलना में अधिक उपयोगी शिक्षण पद्धति है।

संदर्भ ग्रंथ सूची

1. AICTE (2018). "तकनीकी संस्थानों में परिणाम आधारित शिक्षा हेतु मॉडल पाठ्यक्रम।" All India Council for Technical Education.

2. Choudhury BK. एवं Sengupta P. (2022). "भारतीय प्रबंधन प्रणाली में सतत शिक्षा के लिए परिणाम आधारित शिक्षा का परिचय। "Journal of the Association of Engineers, India, 92(1–2):15–28.
3. Jappe G P, एवं Oza P. (2021). "परिणाम आधारित शिक्षा में पाठ्यक्रम और मूल्यांकन।" श्रवनतदंस of Educational Research and Review 16(4), 210–225.
4. Kumbhar A. (2020). "भारतीय विश्वविद्यालयों में परिणाम आधारित शिक्षा का प्रभाव।" Journal of Higher Education and Policy, 28(3), 112–125.
5. NAAC (2021) "उच्च शिक्षा संस्थानों में परिणाम आधारित शिक्षा के कार्यान्वयन हेतु दिशानिर्देश।" National Assessment and Accreditation Council.
6. Pradhan R K. एवं Tripathi S. (2019). "भारतीय उच्च शिक्षा में परिणाम आधारित शिक्षा का कार्यान्वयन: चुनौतियाँ एवं अवसर।" International Journal of Educational Development, 68, 28–35.
7. Saha G C, Akber S M एवं Roy A. (2023). "बिजनेस कोर्स में शिक्षार्थी के प्रदर्शन पर परिणाम आधारित शिक्षा का प्रभाव।" Journal of Management and Business Studies, 19(3), 95–110.
8. Salis M. एवं Harder J. (2019). "लेखांकन शिक्षा के लिए परिणाम आधारित शिक्षण और संशोधित समस्या आधारित शिक्षण।" Journal of Business and Management Learning, 14(1), 75–88.
9. Sharma A. एवं Jain P. (2020). "लेखांकन छात्रों में कौशल विकास पर परिणाम आधारित शिक्षा का प्रभाव: भारतीय परिप्रेक्ष्य में एक अनुभवात्मक अध्ययन। "Journal of Accounting and Finance Education, 15(2), 45–60.
10. Sullivan G एवं Rosin M. (2008). "लेखांकन में परिणाम आधारित शिक्षा: पाठ्यक्रम निर्माण एवं मूल्यांकन के लिए प्रभाव। "Journal of Accounting Education, 26(1), 1–14.